# झारखंड सरकार ने 80 उत्कृष्ट विद्यालयों के बदले नाम

## चर्चा में क्यों?

25 मई, 2023 को झारखंड में खुले 80 उत्कृष्ट विद्यालयों के नाम बदलकर स्कूलों के नाम के आगे 'सीएम स्कूल ऑफ एक्सलेंस' जोड़ा जाएगा। इस संबंध में राज्य स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने आदेश भी जारी कर दिये है।

## प्रमुख बिंदु

- विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, राज्य के 80 उत्कृष्ट विद्यालयों के नाम में एकरूपता लाने के लिये यह फैसला किया गया है। इसके लिये स्कूलों के नाम में बदलाव किया गया है।
- झारखंड के शिक्षा सचिव ने सभी ज़िलों को भेजे गए पत्र में कहा है कि आदर्श विद्यालय योजना के तहत विभिन्न ज़िलों में 80 स्कूलों को उत्कृष्ट विद्यालय के रूप में विकसित किया गया है। ये विद्यालय वर्तमान में अलग-अलग नाम से जाने जाते हैं, इस कारण इनकी पहचान स्कूल ऑफ एक्सलेंस के रूप में नहीं बन पा रही है, जिससे इन विद्यालयों के स्वरूप को समझने में भी परेशानी हो रही है। इसलिये इन विद्यालयों को 'सीएम स्कूल ऑफ एक्सलेंस' के रूप में नामित करने का निर्णय लिया गया है।
- राज्य के सभी ज़िलों को विद्यालयों के परिवर्तित नाम भी भेज दिये गए हैं। राज्य परियोजना निदेशक को विद्यालयों के बदले हुए नाम के साथ उसका 'यू डायस कोड' संबद्ध करने को कहा गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है।
- विदित है कि गरीब परिवार के बच्चों को बेहतरीन शिक्षा देने के उद्देश्य से झारखंड की सरकार ने उत्कृष्ट विद्यालय की शुरुआत की है।
- इन स्कूलों में बेहतरीन आधारभूत संरचनाओं का विकास किया गया है। स्कूल में कंप्यूटर लैब भी बनाए गए है, ताकि बच्चे डिजिटिल युग में पीछे न रहें।
- गौरतलब है कि राज्य के दिवंगत शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने कहा था कि झारखंड के गरीब परिवार के बच्चे भी अंग्रेजी में पढ़ाई करेंगे। झारखंड के हर प्रखंड में ऐसा स्कूल बनाएंगे, जो अंग्रेजी माध्यम के प्राइवेट स्कूलों को टक्कर देंगे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jharkhand-government-changed-names-of-80-excellent-schools